

तमाम भक्तो के नाम गुहार

जो हृपसे टकरायेगा
दूर दूर हो जायेगा
वापिस फिर न आयेगा

साथियो, जागो ! उठो !

पहले उन्होने हमारी जमीन छीन ली । उसके बाद मिठी पानी और पत्ता भी छीन लिया । इन्सान का हगना तक मुश्किल कर दिया । अब हमारी आखिरी निजी सम्पत्ति पर भी उनकी नजर लगी है । बायो - गैंस योजना - गृञ्जन का एक और नाम ही हैं ।

मित्रो, विश्व में टट्टी-धर्म घोर संकट में है । वक्त आ गया है कि हम सभी श्रदालु एक साथ आवाज करे और विश्व-टट्टीत्व को बचायें । ऐसे नेक काम के लिए एक ऐसी टोली की जरूरत है जो दुनिया को अमाशय के अंधकार से गूँकुल के गौरव तक ले जाये ।

इसलिए भक्तगण, इस मलिन अधिकार के लिये इस पावन पर्व पर आइये, विश्व टट्टी परिषद (वि ट प) की स्थापना की धोषणा करें । चूँकि यह संगठन किसी एक समुदाय का नहीं है इसे जमात-ए-टटू (ज ए ट) के नाम से भी पुकारेंगे, और प्यार से इसे जेट-विटप कहेंगे ।

देश में जब अस्सी प्रतिशत लोग
हगने से नाजाद हैं,
दिल पर रखकर हाथ, कहिए
देश क्या आजाद है ।

गृ-सुधार के व्यक्तिगत और अंतर्राष्ट्रीय आयामों को मदे-नजर रखते हुए, जेट-विटप की बीस मूँत्री धारायें प्रस्तावित हैं जो नीचे से दी गई हैं :

- धारा - 1 जेट-विटप के विकेन्द्रीकृत दफतर गृपुरी में होंगे ।
- धारा - 2 हर गली, हर मोहल्ले, हर कस्बे में जेट-विटप के धर्म-स्थल बनाये जायेंगे जहाँ सुबह शाम श्रदालू गृ-दान कर सकें ।
- धारा - 3 जेट-विटप में सदस्यता पर कोई कब्ज़ नहीं है । प्रत्येक सदस्य को केवल रोज़ एक पाद-शुल्क धरमंतरी के पास जमा करनी होगी ।
- धारा - 4 सदस्यों की इच्छा के मुताबिक धरमंतरी उन्हे चार ब्रेणियों में बटिए - आम भक्त, जाम भक्त, नाम भक्त और वाम भक्त ।
- धारा - 5 आम भक्त अपनी गुठलियाँ बेच कर आम राज का प्रचार करेंगे ।
- धारा - 6 जाम भक्त हर शाखा में मूत्रधार बन कर स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करेंगे ।
- धारा - 7 नाम भक्त बहुवजन समाज पार्टी का गठन कर के गांव, कस्बों में जुलाब-लीला का प्रदर्शन करेंगे ।
- धारा - 8 वाम भक्त बाड़न पीस आंदोलन के मंच से हर भारक्षण का विरोध करेंगे ।
- धारा - 9 एक दूसरे के स्वागत में सदस्य जय-धडाम का नारा लगा सकते हैं ।
- धारा - 10 जेट-विटप के सदस्यों की पहचान लोटा, लाइफवॉय (देशी) और लहंगा/लंगोटी होगी ।

जनता की अब यह पुकार
हमारी टट्टी हमारी सरकार
विटप और जेट की हो सरकार

- धारा - 11 नई रिक्षा नीति के मार्फत हर सदस्य को $1 + 2$ छुट्टियाँ लगानी होंगी ताकि एक से हवा निकाल जाये तो दो से पास कर सकते हैं।
- धारा - 12 सूखा-बहन इलाको में जेट-विटप के सदस्य राहत कार्य में संगठन की विभिन्न धाराओं को बहायेंगे।
- धारा - 13 जलाहार रोज़गार योजना के तहत जेट-विटप के सदस्य हर गाँव में वोट बैंक बनायेंगे।
- धारा - 14 संगठन की रक्षा के लिए भक्त गण बद्रग सेना में भर्ती होकर मलखम्भ में प्रशिक्षण पायेंगे।
- धारा - 15 प्रत्येक शाखा में दस्त दुलारों का चयन होगा जो परिवार में निरोध का काम करेंगे।
- धारा - 16 प्रत्येक देश में एक हजार गृष्णियों की नियुक्ति होगी जो राजनैतिक दलों के बीच करीबी हटाओं का काम करेंगे।
- धारा - 17 प्रत्येक देश में रफतार से पार्श्व-गायन का मुकाबला होगा। सबसे योग्य व्यक्तियों को सरगंध चालक की पदवी दी जायेगी और वे सभी शाखाओं में प्रभात हेरा फेरी अगुयाइ करेंगे।
- धारा - 18 गृ-पतियों की बैठक में गूपुरी के मुखिया चुने जायेंगे। प्रदूषण मापने का काम करने के लिए उन्हें एक लाल टोपी, दो काले चश्मे, तीन पीले रुमाल, चार ब्लैक केट और एक सौ गुबरेलै दिये जायेंगे।
- धारा - 19 जेट-विटप विश्व भर के पखानो के बहुराष्ट्रीकरण की कोशिश करेगी ताकि सबको हगने का समान हक मिले।
- धारा - 20 स्वर्गीय शायर चिरकीन जेट-विटप के स्थायी उप-प्रधानमंत्री माने जायेंगे और हर महफिल में उनके शेरों को दहाड़ने वाले सदस्य को पचास फीसदी छूट दी जायेगी।

जन-जन की अब यह पुकार
हगने पर हो जनता का अधिकार

- धारा - 30 बीस के बाद की धाराओं को बनाने की जिम्मेदारी स्थानीय शाखाओं की है। जो नई धारा विश्व स्तर पर स्वीकृत होती है उसके लिए जेट-विटप के अंतर्राष्ट्रीय मुजरा कोष में शाखा को पुरस्कृत किया जायेगा।

टट्टी-धर्म की रक्षा कीजिये
जेट-विटप के सदस्य बनिये
जय घड़ाप ! जय घड़ाप !
छीन से जो साधन सारे
उस सत्ता का धिक्कार है।
दुनिया के हर कोने में
हगना अपना अधिकार है।

[digitised by sacw.net]

टट्टी बचाओ
देश बचाओ अभियान